दै. स्वदेश, भोपाल

PM JUL 2017

अभियान } पौध रक्षक करेंगे पौधों की रखवाली, होगी फोटोग्राफी

6 करोड़ पौधे रोपने की तैयारियां लगभग पूर्ण

« स्वदेश संवाददाता। भोपाल

दो जुलाई को प्रदेश में नर्मदा के किनारे छह करोड़ पौधे लगाने के लिए युद्धस्तर पर तैयारियां चल रही हैं। रविवार एक जुलाई तक लगभी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएंगी। सोमवार दो जुलाई को नर्मदा के किनारे 24 जिलों में यह पौधे रोपे जाएंगे। वहीं इन जिलों के अलावा प्रदेश के अन्य सभी जिलों में भी अलग-अलग अभियान कृषि, वन, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास समेत अन्य विभागों द्वारा चलाया जा रहा है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा दिए गए निर्देशों के मुताबिक हर जिले की एक-एक पंचायत में 10 किसान-मजदूर चिन्हित कर 200 पौधे लगवाएंगे और हर पंचायत के लिए इसे तीन साल की अवधि में परियोजना के रूप में माना जाएगा। कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत पौधे मंगवाने और खरीदने के लिए अधिकृत किए गए हैं। पौधे के वृक्ष बनने तक हितग्राही को अलग से राशि दी जाएगी। पेड़ बनने पर हितग्राही को आधा हिस्सा मिलेगा। जनपद सीईओ इसकी निगरानी करेंगे। पौधों की सुरक्षा के लिए पौधरक्षक तैयार करने और पौधरोपण की फोटोग्राफी कराने की भी व्यवस्था की गई है।

भावी पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण देने वृक्षारोपण आवश्यक

वन मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार ने 'हरियाली महोत्सव-2017' के लिये अपने संदेश में कहा है कि भावी पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण देने के लिये ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण करना जरूरी है। डॉ. शेजवार ने कहा कि पौधा-रोपण के प्रति जन-साधारण में जागरूकता

दो फीट से छोटे न हों पौधे

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि नर्मदा के तटों पर पौधे लगाने वाले सभी 24 जिलों में से हर एक में कम से कम एक लाख लोगों का पंजीयन कराया जाए। पौधों की ऊंचाई दो फीट से कम नहीं हो। सभी जिलों में पौधे लगाने का वातावरण बनाने के लिए पौधे लगाओ यात्राएं निकाली गई हैं। अधिक से अधिक लोगों से संकल्प पत्र भराए गए हैं। बड़वानी जिले की तरह स्कूली बच्चों को पेड़ लगाने के अभियान से जोड़ने के लिये ग्रीन पासपोर्ट दे सकते हैं। इंदौर जैसे बड़े शहरों की स्वयंसेवी संस्थाओं और लोगों को अभियान से जोड़ा जाए।

लाने के लिये प्रतिवर्ष वन महोत्सव मनाया जाता है। प्रदेश में हरियाली महोत्सव से इसको व्यापक आधार मिला है। वन मंत्री ने कहाकि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश में वनों के संवहनीय विकास के साथ वनवासियों को वनोपज पर आधारित रोजगार के नये अवसर उपलब्ध करवाने पर विशेष बल दिया गया है। इस दिशा में अनेक नई योजनाएँ प्रारंभ की गयी हैं। वन प्रबंधन के तहत प्रदेश में 15 हजार से अधिक वन समितियाँ गठित की गयी हैं। ये वन समितियाँ विभाग के साथ जुड़कर वन संवर्धन और सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में इसके उत्साहजनक परिणाम सामने आये हैं। डॉ. शेजवार ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वन विकास की योजनाओं में सक्रिय भागीदारी देकर उनको सफल बनाने में सहयोग करें। पौधा-रोपण के लिये उपयुक्त पौधे निकटतम वन-रोपणी से प्राप्त किये जा सकते हैं। डॉ. शेजवार ने पंचायत संस्थाओं, शिक्षण तथा स्वैच्छिक संगठनों से हरियाली महोत्सव को सफल बनाने में महती भूमिका निभाने की अपील की है।

प्रकृति के प्रति जन-चेतना महत्वपूर्ण

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री सूर्यप्रकाश मीणा ने हरियाली महोत्सव-2017 के लिये अपने संदेश में कहा है कि वन तथा प्रकृति के प्रति जन-चेतना जागृत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष हरियाली महोत्सव मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति की परम्परा अनुसार हमें पौधे लगाने और उनकी सुरक्षा में पूरा सहयोग करना होगा, तभी हम स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण कर पायेंगे। श्री मीणा ने कहा कि वनों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में प्रभावी पहल हुई है, जिसका लाभ प्रदेशवासियों को मिल रहा है। हरियाली महोत्सव को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिये प्रदेश में इस वर्ष इस आयोजन को व्यापक-स्तर पर क्रियान्वित किया जा रहा है। इस वर्ष दो जुलाई को छः करोड़ पौधे लगाये जायेंगे। इस रोपण कार्य में जन-प्रतिनिधि, शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी एवं अन्य आम नागरिक भाग लेंगे। राज्य मंत्री ने नागरिकों से हरियाली महोत्सव के अवसर पर इस अच्छे काम की पहल की अपील की है। उन्होंने पंचायत संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों से हरियाली महोत्सव-2017 में अपनी भूमिका का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ करने की अपील की है।

इन स्थानों पर होगा प्रदेश में पौधरोपण

« सड़क और नहर किनारे, सार्वजनिक भवन परिसर, मोक्षधाम, खेल मैदान, विद्यालय, छात्रावास, पंचायत, सामुदायिक भवन आदि।

इन पौधों पर जोर

« सड़क किनारे आम, इमली, जामुन, महुआ, नीम, करंज, सुरजना, अर्जुन, सप्तपर्णी, कैसिया सामिया, गुलमोहर, पेल्टाफारम, चिरोल, अमलतास, पीपल, बरगद और बांस के पौधे लगेंगे।

ये होंगी खास बातें

« परियोजना अवधि सड़क किनारे, सामुदायिक और सार्वजनिक परिसर में पांच साल व नहर किनारे तीन वर्ष।

« परियोजना की प्रति पौधा लागत क्रमशः 1675 रुपए, 855, 1675 और 750 रुपए होगी।

« पौधरोपण में मनरेगा के जॉबकार्डधारी श्रमिकों को काम दिया जाएगा।

« तकनीकी व प्रशासनिक मंजूरी ग्राम पंचायतें देंगी।

« पौधों के रखरखाव के लिए जॉबकार्डधारी को पौधरक्षक बनाया जाएगा और अलग से रखरखाव का पैसा मिलेगा।

« पेड़ बनने पर आधा हिस्सा हितग्राही का होगा और आधा ग्राम पंचायत का।